दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

दीपक बनना है तो जलना सीखो, सोना बनना है तो तपना सीखो, सफलता पाने के लिए हर हाल में लड़ना सीखो।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-229 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 13 जुलाई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

साइबर अपराधः अनजाने में अपराधी बनते युवा, बढ़ती ऑनलाइन ठगी पर गंभीर चिंतन

डिजिटल भारत के इस दौर में इंटरनेट, ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई और मोबाइल ऐप्स ने लोगों का जीवन पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। लेकिन इन सुविधाओं के साथ साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी भी तेजी से बढ़ी है। आज यह केवल पैसे की चोरी तक सीमित नहीं रही, बल्कि गरीब और अनजान परिवारों के युवाओं को भी अपराध के जाल में फंसाने का एक बड़ा माध्यम बन चुकी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि अनेक युवा, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले, साइबर अपराध के तरीकों से पूरी तरह अनभिज्ञ होते हैं। कुछ अतिरिक्त आय या आसान कमाई के लालच में वे अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड या आधार से जुड़ी जानकारी दूसरे लोगों को दे देते हैं। उन्हें यह एहसास भी नहीं होता कि उनके खाते का उपयोग ऑनलाइन ठगी, मनी लॉन्ड्रिंग या अन्य साइबर अपराधों में किया जा रहा है। जब पुलिस जांच के दौरान उनके घर पहुंचती है, तब उन्हें पहली बार समझ आता है कि वे अनजाने में एक गंभीर अपराध की कड़ी बन चुके हैं। ऐसे मामलों में महिलाओं के बैंक खातों का दुरुपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। गृहिणियों या ग्रामीण महिलाओं के खातों को लालच या झूठे वादों के जरिए अपराधी अपने नेटवर्क में शामिल कर लेते हैं। बाद में इन्हीं खातों से ठगी की रकम का लेन-देन होता है, जिससे निर्दोष लोग कानूनी परेशानियों में फंस जाते हैं। यह भी सच है कि जितनी तेजी से डिजिटल सुविधाओं का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधियों ने नए-नए तरीके खोज लिए हैं। फर्जी कॉल, नकली लिंक, केवाईसी अपडेट, नौकरी का झांसा, निवेश के नाम पर ठगी और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। तकनीक का लाभ तभी सुरक्षित है, जब उसके साथ जागरूकता भी हो।

इस चुनौती से निपटने के लिए केवल पुलिस की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों को साइबर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि अपना बैंक खाता, ओटीपी, एटीएम, यूपीआई पिन या व्यक्तिगत जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा करना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार, बैंक और डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी सरल भाषा में लगातार जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। साइबर अपराध केवल तकनीक की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की भी परीक्षा है। यदि समय रहते समाज को शिक्षित नहीं किया गया, तो सुविधाओं का यह डिजिटल युग अनेक निर्दोष लोगों के लिए मुसीबत का कारण बनता रहेगा। जागरूक नागरिक ही साइबर अपराध के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।

जनसेवा में समर्पित अधिकारी एवं कर्मचारी सुशासन के आधार स्तंभ

जन-विश्वास को और मजबूत करने वाला हो प्रत्येक प्रयास व नवाचार - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन पर जताया आभार

सरकार ने कर्मचारी कल्याण की दिशा में उठाए ऐतिहासिक कदम

अनुभव में 2 साल की छूट से हजारों कार्मिकों को पदोन्नति का लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ धरातल पर उतारने से ही सुशासन स्थापित होता है। इसके लिए सक्षम, प्रेरित और संतुष्ट कार्मिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार ने इसी सोच के अनुरूप कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही, सचिवालय की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, ताकि कार्मिकों का मनोबल बढ़ने के साथ शासन व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके। मुख्यमंत्री का रविवार को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी एवं सचिवालय कर्मचारी संघ ने पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन को लेकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिक सर्वोपरि विजन को राज्य सरकार शासन की कार्य-संस्कृति का आधार बनाकर आगे बढ़ा रही है। सचिवालय सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी निर्णयों का केंद्र है। ऐसे में हमारा हर निर्णय और प्रयास प्रदेश की 8 करोड़ जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाला होना चाहिए। क्योंकि, प्रत्येक फाइल के पीछे किसी नागरिक की आशा, किसी किसान की उम्मीद, किसी युवा का भविष्य और किसी परिवार का विश्वास जुड़ा होता है।

कर्मचारी 'विकसित राजस्थान-2047' के सारथी

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी गुड गवर्नेंस की धुरी और विकसित राजस्थान-2047 के महत्वपूर्ण सारथी है। ऐसे में हमारी सरकार कर्मचारी हित में फैसले लेते हुए समयबद्ध और नियमित पदोन्नति दे रही है। इसी क्रम में कार्मिकों को पदोन्नति के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 और 2026-27 में निर्धारित अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है। इसमें प्रावधान किया गया है कि जिन कार्मिकों ने पिछले तीन वर्ष में इस छूट का लाभ नहीं लिया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा, इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन किए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाएं पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी केंद्र सरकार के अनुरूप ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही, 30 जून को सेवानिवृत्त राज्य कार्मिकों को नोशनल वेतन वृद्धि के अनुरूप पेंशन का प्रावधान किया किया गया है। वहीं, पेंशनर के 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता एवं कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आरजीएचएस के तहत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, जो 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। वहीं, राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने से वे कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के अन्य महत्वपूर्ण फैसलों में एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा पद त्यागने की स्थिति में उस पद को प्रतीक्षा सूची से भरा जाना एवं सेवा अवधि में स्थायी अक्षमता होने पर कार्मिक के आश्रित को भी अनुकंपा नियुक्ति दिया जाना शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। जिसके तहत अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में पुत्रवधू को भी शामिल किया गया है। साथ ही, एकल महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव 3 के स्थान पर 6 चरणों में स्वीकृत करना और कार्यस्थल पर बेहतर एवं तनावमुक्त वातावरण देने के लिए 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' स्थापित करना भी महत्वपूर्ण कदम है।

नए पदों के सृजन से सचिवालय हुआ और मजबूत

उन्होंने कहा कि शासन सचिवालय की कार्यकुशलता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए 15 सहायक शासन सचिव, 67 सहायक अनुभाग अधिकारी तथा 67 लिपिक ग्रेड प्रथम सहित कुल 149 नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और विभागीय पदोन्नति के मार्ग भी अधिक सुगम बनेंगे।

नई तकनीक, ई-गवर्नेंस और पेपरलेस व्यवस्था को अपनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बदलते समय के साथ प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी को मिशन कर्मयोगी की भावना के अनुरूप नई तकनीक, ई-गवर्नेंस और पेपरलेस व्यवस्था को अपनाकर प्रशासन को और अधिक दक्ष, पारदर्शी और जन-कल्याणकारी बनाना होगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी कार्यकुशलता, नवाचार और सेवा भावना से राजस्थान को सुशासन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशील फैसले लिए हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्त कर्मचारी सरकार की भावना के अनुरूप जनहित की दिशा में पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ काम करेंगे।

जिला उपाध्यक्ष बनने पर विधायक ललित यादव का किया आभार, फूल-माला और साफा पहनाकर जताया धन्यवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। जिला कांग्रेस कमेटी में अशोक मुद्गल को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर नीमराना नगर पालिका क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने विधायक ललित यादव का आभार व्यक्त किया। शनिवार को अशोक मुद्गल के नेतृत्व में नीमराना के सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक ललित यादव के निवास ग्राम फौलादपुर पहुंचा। वहां सभी ने विधायक का फूल-माला और साफा पहनाकर सम्मान किया और शब्दों के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित किया।नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष अशोक मुद्गल ने कहा कि विधायक ललित यादव के नेतृत्व और निर्देशन में कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाकर संगठन का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर नीमराना के पूर्व सरपंच सतीश मुद्गल, जांगिड़ समाज के अध्यक्ष मालाराम जांगिड़, कैप्टन धर्मपाल यादव, युवा नेता रिंकू बड़सीवाल, ताराचंद यादव, संदीप यादव, जसराम सैनी, रामेश्वर सैनी, यादराम सैनी, बजरंग लाल गुप्ता, घीसाराम मुद्गल, सोमनाथ भारद्वाज, एडवोकेट रामनिवास सांमरिया, सुरेंद्र चौहान पंच, रोहिताश बाल्मीकि, मुन्नीलाल बाल्मीकि, सूबेदार शेर सिंह जांगिड़, रविकांत शर्मा, चेतन शर्मा, मनमोहन भारद्वाज, रामनिवास शर्मा, प्रशांत शर्मा, कृष्ण शर्मा, सुनील शर्मा, एडवोकेट अजय भारद्वाज, एडवोकेट अजय मुद्गल, जयप्रकाश पंच, मुकेश भार्गव, मुन्नीलाल प्रजापत, पूर्णचंद प्रजापत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहें युवा, खेलों से जोड़ें अपना भविष्यः सतीश गजराज

बनवास क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन, सिंघाना टीम बनी विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

निकटवर्ती बनवास के खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में सिंघाना की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस्लामपुर की टीम को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नेता सतीश गजराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेंद्र पुहानियां ने की, जबकि छोटू प्रधान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहें।मुख्य अतिथि सतीश गजराज ने खिलाड़ियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को भी नशा करने वालों का प्रोत्साहन नहीं करना चाहिए, बल्कि उन्हें सही राह पर लाने का प्रयास करना चाहिए। प्रतियोगिता में विजेता सिंघाना टीम को 15 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता इस्लामपुर टीम को 7,100 रुपये नकद एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में संजय सैनी को मैन ऑफ द सीरीज तथा मोनू सैनी को बेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर मधुसूदन, जगमोहन सैनी, प्रदीप गुर्जर, सोनू जांगिड़, प्रवीण यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, ग्रामीण एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पेपर लीक के खिलाफ सड़कों पर दौड़ेंगे हजारों छात्र

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। देशभर में भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ सोमवार (13 जुलाई) को जयपुर में छात्र सड़क पर उतरेंगे। राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) राजस्थान ने 'रन अगेंस्ट पेपर लीक' थीम पर 5 किलोमीटर की मैराथन का आयोजन किया है। इस मैराथन में हरस्तु के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी मौजूद रहेंगे। विनोद जाखड़ ने बताया- मैराथन सोमवार सुबह 5:30 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू होगी। यहां से प्रतिभागी दौड़ते हुए अल्बर्ट हॉल तक जाएंगे और फिर वापस राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचकर मैराथन का समापन करेंगे। मैराथन को और अधिक उत्साहजनक बनाने के लिए टॉप 3 महिला और पुरुष कैटेगरी के विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

यह केवल खेल नहीं, युवाओं के हक की लड़ाई है

जाखड़ ने कहा कि इस मैराथन के जरिए देश में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई जाएगी। पिछले कुछ सालों में पेपर लीक और अनियमितताओं की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। इससे सालों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का समय और मेहनत दोनों बर्बाद हो रहे हैं। ऐसे में यह मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि छात्रों की आवाज को बुलंद करने और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग का प्रतीक बनेगी। जाखड़ ने आगे कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार और संबंधित एजेंसियों का ध्यान छात्रों की गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करना है।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के अधीक्षक बने सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल, अवैतनिक सेवा का लिया संकल्प

अवैतनिक व निःस्वार्थ भाव से देंगे नियमित अपनी सेवाएं देंगे नथमल मावलियों की ढाणी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के सुप्रिडेंट के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल मावलियों की ढाणी ने रविवार को गरिमामय समारोह में अपना पदभार ग्रहण कर कार्यभार संभाला लिया। सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल मावलियों की ढाणी ने अपना पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि वे छात्रावास में स्वैच्छिक रुप से अपनी सेवाएं निःस्वार्थ भाव व अवैतनिक रूप से देंगे तथा छात्रावास के विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करने में अपनी अहम व महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का विश्वास दिलाते हुए मनोयोग से अपना दायित्व निभाने की बात कही। आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद सेठों की कोठी, मंत्री राकेश कुमार गौड़ पूर्व पार्षद, राजू गौड़, बाबूलाल सैनी, भूमि प्रदाता दीपक कटारिया, संदीप पिपलोदिया, राजा कटारिया, मनीष बालाण, अनिल जाजम, पंकज बालाण, अंकित महावर, अंकित गौड़, अभिषेक गौड़ सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य व विद्यार्थी मौजूद थे। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण करने पर नथमल मावलियों की ढाणी का समिति की ओर से मोतियों की माला छात्रावास का दुपट्टा, साफा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

दोबड़ा में प्रतिभाखोज परीक्षा आयोजित, विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

शिक्षा विकास समिति दोबड़ा के तत्वावधान में राउप्रावि दोबड़ा में प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कक्षा 5 से 10वीं तक के स्टूडेंट्स ने ओएमआर शीट पर परीक्षा देकर नया अनुभव प्राप्त किया। प्रत्येक कक्षा के टॉप पांच-पांच स्टूडेंट्स सम्मानित किए जाएंगे। परीक्षा परिणाम 26 जुलाई को घोषित किया जाएगा। परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाओं को मंच देना एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। शिक्षा विकास समिति के अध्यक्ष अजीतसिंह कस्वां, सचिव रमेश शेखावत, राकेश कुमार, हिमांशु जांगिड़, सोमवीर कस्वां, प्रहलाद शर्मा आदि के सहयोग से इस परीक्षा का लगातार चौथा संस्करण आयोजित किया गया। इस मौके पर सरपंच राजेश कस्वां, सुबेदार महावीर शर्मा, शिवलाल शर्मा, पूर्व सरपंच कृष्णकुमार लुणायच, अजय डारा, होशियारसिंह एवं सतीश झाझड़िया सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू - देवताओं की घाटी

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर- यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा- यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हजारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर- एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली- साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर- यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली- स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास- यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड- यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है- प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

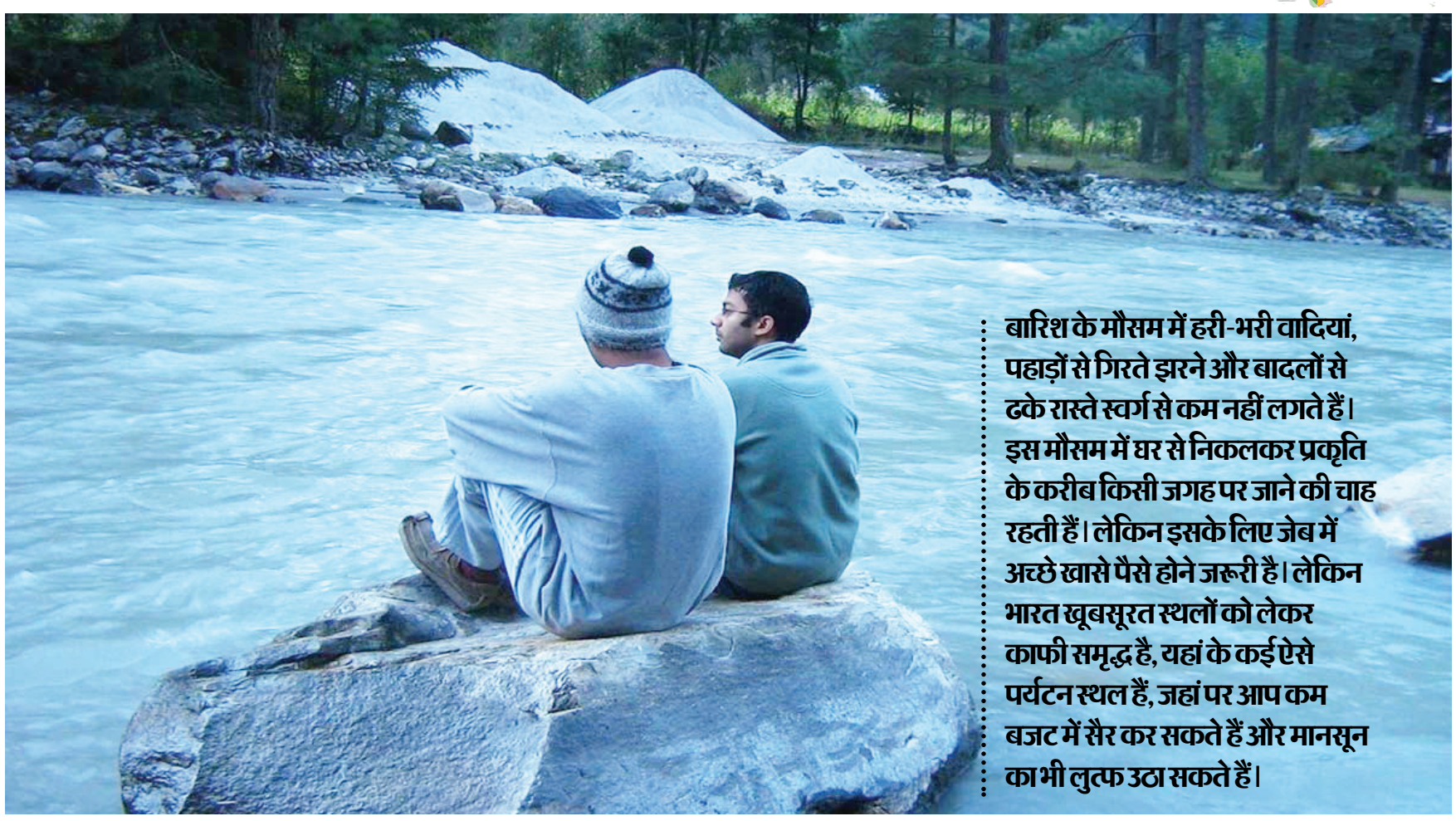

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

और बारिश का मजा ले सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है 'सोने की घाटी') एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. जोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर

झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट - यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय - मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

यमुना जल समझौता केवल एमओए नहीं, शेखावाटी के भविष्य की नई इबारत; हर हाल में पहुंचेगा पानी- डॉ. सतीश पूनियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शेखावाटी की सबसे बड़ी समस्या यदि किसी एक विषय को माना जाता है तो वह है–पानी। वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिले के लाखों लोगों के लिए हाल ही में हुआ यमुना जल समझौता उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। इसी मुद्दे ने जिले के चिड़ावा में आयोजित कार्यक्रम 'एक कदम विकास की ओर' में भी सबसे अधिक स्थान पाया। कार्यक्रम में सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद एक स्वर

में माना कि शेखावाटी के विकास की सबसे बड़ी कुंजी पानी है और यमुना जल परियोजना इस दिशा में ऐतिहासिक साबित हो सकती है। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां, राजस्थान सरकार के मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट एमडी चोपदार,डॉ. मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, उद्योगपति, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान भी किया गया।

तीन दिन गांवों में उतरेगा प्रशासन, ग्रामीण सेवा शिविरों में मौके पर होगा समस्याओं का समाधान

13 से 15 जुलाई तक जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर, जनसुनवाई के साथ पात्र लोगों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में 13 से 15 जुलाई तक ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर सुनवाई कर समाधान किया जाएगा, वहीं विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी पात्र लोगों तक पहुंचाया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि 13 जुलाई को दौसा, बांदीकुई, बसवा, सिकराय, महवा, मंडावर, लालसोट, नांगल राजावतान, रामगढ़ पचवारा, लवाण और सैंथल क्षेत्र की चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे। 14 जुलाई को कीरतपुरा, भण्डारी, शहदपुर, बालाहेड़ा, डिगो, गोल, मानपुरिया, डोब, हिंगोटिया और कालोता सहित विभिन्न पंचायतों में जनसुनवाई होगी। वहीं 15 जुलाई को नांगल छापा, नारायणपुरा, गुल्लाना, राणोली, पाड़ली, केसरा, नोरंगवाड़ा, हिंगोटा, बावड़ीखेड़ा, खटूम्बर, इन्दावा, आलूदा, भांवता, सिंगवाड़ा और तीतरवाड़ा कलां समेत अन्य ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित ग्राम पंचायत में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं, ताकि राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, बिजली, चिकित्सा, पंचायत एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

दुधवा में पौधारोपण अभियान, 65 पौधे लगाए गए

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से दुधवा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के 65 पौधे लगाए गए तथा उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में बाबा ठाठेश्वर महाराज के महंत जसनाथ जी भोलानाथ जी महाराज ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखरेख करने की अपील की। इस अवसर पर रमेश लक्कड़, ताराचंद दारमका, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धर्मवीर गुर्जर, मुंशीराम, देवनारायण सेवा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र गुर्जर, ईश्वर सिंह, विक्रम दारमका, राकेश खटाना, सुनील, दिलीप, भोजराज, विक्रम, रामकिशन, शेर सिंह, भूप सिंह, अजय डीलर, अजय अध्यापक, विजय, विकास, विनोद भरगड़, पूरणमल, अनिल तवर, शीशराम, नरेंद्र खटाना, नेतराम गराटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

19 जुलाई को टैगोर स्कूल पिलानी में होगी जिला स्तरीय योगा प्रतियोगिता, विभिन्न आयु वर्गों में होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

जिला स्तरीय योगा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की बैठक रविवार को प्रेम प्रकाश मोयल की अध्यक्षता में टैगोर स्कूल में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 जुलाई 2026 को टैगोर स्कूल पिलानी में जिला स्तरीय योगा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 8-10 वर्ष, 10-12 वर्ष, 12-14 वर्ष, 14-16 वर्ष, 16-18 वर्ष, 18-21 वर्ष, 21-25 वर्ष, 25-30 वर्ष, 30-35 वर्ष, 35-40 वर्ष व 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में पुरुष व महिला वर्गों में आयोजित होगी। बैठक में टैगोर स्कूल के निदेशक सत्यवीर जांगिड़, प्रदीप झाझड़िया,

सुनील शर्मा, मंडेलिया कॉलेज के कैलाश सैनी, आर डी मोयल पब्लिक स्कूल पिलानी के निदेशक विनोद मोयल, टैगोर स्कूल कोच राकेश भार्गव, अजनेश जांगिड़, वेदवती सांगवान, विद्यापीठ की योगा टीचर प्रियंका अग्रवाल, सीमा सांगवान, योगिनी पूजा, जागृति शर्मा, राजकुमार सिंह सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहें। आयोजन सचिव राकेश भार्गव ने अपील की कि अधिक से अधिक प्रतियोगी भाग लेकर आयोजन को सफल बनाएं।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद शिविर में 36 जनों का ऑपरेशन के लिए हुआ चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट एवं शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को न्यू टैगोर शिक्षण संस्थान में रविवार को आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 80 जनों के हुए रजिस्ट्रेशन के बाद 36 जनों का नि:शुल्क आपरेशन के लिए चयन किया गया। जिन्हें जयपुर रवाना किया गया। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त प्रबंधक दयाराम खींची, व्यवसायी लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी, रामनिवास शर्मा, दीनदयाल जोशी, गिरधारी लाल जाजोदिया, शंकरा आई हॉस्पिटल के डॉ. आकाश राज तथा गौसेवक संजय जोशी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। शिविर में आई ऑप्टिकल के जयपाल प्रजापत द्वारा आधुनिक मशीन से नि:शुल्क चश्मे के नंबर की जांच की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, अमित सोनी, सुनील कुमार माली, शशि प्रकाश कुमावत, लोकित दईया, यश जैन, वरुण शर्मा, दिनेश गर्ग, अश्विनी घासोलिया, गोवर्धन निराणिया, महेश कुमावत आदि ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद शिविर में 36 जनों का ऑपरेशन के लिए हुआ चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट एवं शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को न्यू टैगोर शिक्षण संस्थान में रविवार को आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 80 जनों के हुए रजिस्ट्रेशन के बाद 36 जनों का नि:शुल्क आपरेशन के लिए चयन किया गया। जिन्हें जयपुर रवाना किया गया। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त प्रबंधक दयाराम खींची, व्यवसायी लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी, रामनिवास शर्मा, दीनदयाल जोशी, गिरधारी लाल जाजोदिया, शंकरा आई हॉस्पिटल के डॉ. आकाश राज तथा गौसेवक संजय जोशी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। शिविर में आई ऑप्टिकल के जयपाल प्रजापत द्वारा आधुनिक मशीन से नि:शुल्क चश्मे के नंबर की जांच की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, अमित सोनी, सुनील कुमार माली, शशि प्रकाश कुमावत, लोकित दईया, यश जैन, वरुण शर्मा, दिनेश गर्ग, अश्विनी घासोलिया, गोवर्धन निराणिया, महेश कुमावत आदि ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

नए अधीक्षण अभियंता रविंद्र गोठवाल ने संभाला नारनौल सर्कल का कार्यभार

'हर घर तक शुद्ध पेयजल और बेहतर जल प्रबंधन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता' - रविंद्र गोठवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज .नारनौल।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के नारनौल परिमंडल को नया नेतृत्व मिल गया है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रविंद्र गोठवाल ने अधीक्षण अभियंता के रूप में अतिरिक्त कार्यभार शनिवार को संभालते ही साफ कर दिया कि आमजन को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर मानसून के दौरान जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु रखने के निर्देश दिए। कार्यभार संभालने के बाद अधीक्षण अभियंता रविंद्र गोठवाल ने परिमंडल कार्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाकर प्लांटेशन ड्राइव का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी कार्यकारी अभियंताओं, उपमंडल अभियंताओं तथा कनिष्ठ अभियंताओं को निर्देश दिए कि जलघर, बूस्टर स्टेशन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं विभागीय परिसरों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और वर्षा ऋतु पौधे लगाने का सबसे उपयुक्त समय है।

लीकेज और तकनीकी खराबियां तुरंत हों दूर

रविंद्र गोठवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन लीकेज,

टूटी हुई जलापूर्ति लाइन अथवा अन्य तकनीकी खराबियों का तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी दूषित पेयजल का कारण बन सकती है, इसलिए फील्ड स्तर पर अधिकारी निरंतर निगरानी रखें।

शिकायतों के त्वरित समाधान का भरोसा

अधीक्षण अभियंता ने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पेयजल अथवा सीवर संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए नागरिक विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-180-5677 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मानसून में जलापूर्ति व्यवस्था पर विशेष निगरानी

समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून के दौरान सभी पंप, मोटर एवं मशीनरी की तकनीकी जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील रखा जाए। कहीं भी पेयजल संकट, दूषित जलापूर्ति या जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। सभी जल योजनाओं में नियमित क्लोरीनेशन सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को जीवाणुरहित एवं सुरक्षित पेयजल मिल सके।

जनसहयोग से ही बनेगा स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण

उन्होंने आमजन से भी अपील की कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, पुराने टायर एवं अन्य पात्रों में पानी एकत्रित न रहने दें, ताकि मच्छरों का प्रजनन रोका जा सके। साथ ही उन्होंने लोगों को नलों पर स्टैंड पोस्ट लगाने तथा पेयजल पाइपलाइन को गंदी नालियों से दूर रखने की सलाह दी।

ये अधिकारी रहें उपस्थित

बैठक एवं पौधरोपण कार्यक्रम में कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता अमित जैन, उपमंडल अभियंता महेश कुमार, उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा, उपमंडल अभियंता जसवीर, कनिष्ठ अभियंता आकाश, कनिष्ठ अभियंता पिंकी यादव, सहायक राजकुमार सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव- दिनेश जोशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी ने कहा कि मेघावी विधार्थियों का सम्मान समाचार के उज्जवल भविष्य की नींव है । श्री जोशी हावड़ा में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन की ओर से हावड़ा स्थित मंगलम माहेश्वरी भवन में रविवार को ब्राह्मण समाज के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता दिनेश जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित कर रहें थे। समारोह का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में लोहार्गल सूर्य मठ पीठाधीश्वर महंत स्वामी अवधेशाचार्य जी महाराज का पावन सान्निध्य रहा जबकि अखिल भारतीय परशुराम फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक रतन शर्मा मुख्य अतिथि रहे।अपने उद्बोधन में महंत स्वामी अवधेशाचार्य जी महाराज ने कहा कि शिक्षा और संस्कार जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। विद्यार्थी ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण को भी प्राथमिकता दें, तभी समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा।मुख्य अतिथि रतन शर्मा ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देना है। उन्होंने बताया कि संस्था ने अब तक 502 विद्यार्थियों को 35 लाख 69

हजार 900 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर चुकी है और यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईपीएस एवं विधायक राजेश शर्मा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान और सहयोग देना समाज का दायित्व है तथा ऐसे आयोजन युवाओं में आगे बढ़ने की प्रेरणा जगाते हैं। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व विधायक अभिषेक महर्षि, सर्व ब्राह्मण महासभा के संस्थापक सुरेश मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। राजकुमार रिणवा ने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। अभिषेक महर्षि ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया, जबकि सुरेश मिश्रा ने समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अधिकाधिक सहयोग करने का आह्वान किया।अपने संबोधन में भाजपा नेता दिनेश जोशी ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान और उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके सपनों को नई उड़ान देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है तथा प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन मिलना चाहिए।समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का अभिनंदन किया गया ।

चौबारा शिव मंदिर वार्षिकोत्सव पर भंडारे और रक्तदान शिविर में उमड़ी श्रद्धा, 'रक्तदान महादान' का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना

रमेशचंद । भोलेनाथ सेवा समिति, चौबारा के तत्वावधान में ग्राम चौबारा स्थित जोहड़ वाले शिव मंदिर परिसर में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशाल भंडारे और स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, ग्रामवासियों और आसपास के क्षेत्रों से आए भक्तों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और महाप्रसाद का आयोजन हुआ। पूरे परिसर में 'हर-हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे और भंडारे में उमड़ी भारी भीड़ के कारण आयोजन स्थल पर मेले जैसा वातावरण बन गया। सेवा और मानवता को समर्पित इस आयोजन की विशेषता स्वैच्छिक रक्तदान शिविर रही। इंदु देवी हॉस्पिटल, नीमराना से आई डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने पूरे समय उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित रक्त संग्रह किया। बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने रक्तदान कर

'रक्तदान महादान' का संदेश दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग, पेयजल, बैठने और प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई थी। स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाने से भीड़ प्रबंधन और अनुशासन बनाए रखने में मदद मिली। कार्यक्रम के समापन पर भोलेनाथ सेवा समिति ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सक टीम, सहयोगकर्ताओं और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि समाज सेवा और धर्म सेवा का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा। आयोजन की भव्यता में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की सहभागिता ने चार चांद लगा दिए, जबकि मंदिर परिसर के बाहर लगी दुकानों ने पूरे क्षेत्र को धार्मिक मेले का रूप दे दिया।

रोहित गोदारा गैंग ने प्रोपर्टी डीलर से मांगे दो करोड़ रुपए

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । रोहित गोदारा गैंग के गैंगस्टर वीरेन्द्र चारण ने यहां के एक प्रोपर्टी डीलर को विदेशी नम्बरों से काल कर दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। प्रोपर्टी डीलर ने इसकी सूचना उद्योग नगर थाना पुलिस को दी जिस पर मामला दर्ज कर तफ्तीश की जा रही है। पुलिस विदेशी नम्बरों के आधार पर जांच कर रही है। इस सम्बंध में पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा, उसके सहयोगी वीरेन्द्र चारण व राहुल रिणाउ के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। धमकी के शिकार कारोबारी ने पुलिस को बताया कि उसके पास वाट्सएप पर विदेशी नम्बरों से काल आया। काल करनेवाले ने खुद को वीरेन्द्र चारण बताया व कहा कि वह रोहित गोदारा गैंग से बोल रहा है। दो करोड़ रुपए की फिरौती दो वरना तुम्हें और तुम्हारे परिवार को खत्म कर देंगे। ज्ञातव्य रहे कि सीकर जिले में पिछले दो वर्षों में रोहित गोदारा गैंग की ओर से डेढ़ दर्जन से ज्यादा हाइप्रोफाइल लोगों को फिरौती के लिए धमकियां दी गई। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर काम कर रहे कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया। सीकर जिले का हिस्ट्रीशीटर रोहित गोदारा विदेश में बैठा है तथा लोगों को फिरौती के लिए धमका रहा है। वह विदेश में बैठा यहां के नये लड़कों को जोड़ता है। वीरेन्द्र चारण व राहुल रिणाउ उन लड़कों से हाईप्रोफाइल लोगों की रैकी करवाते हैं और उनके बारे में जानकारियां इकट्ठी करते हैं। सीकर पुलिस ने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के सहयोग से गत जून माह में रोहित गोदारा गैंग के हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी थी।

सतीश अस्पताल के निशुल्क घुटना प्रत्यारोपण

जागरूकता शिविर में 300 से अधिक मरीजों की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । सतीश अस्पताल में रविवार को निशुल्क घुटना प्रत्यारोपण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 300 से अधिक मरीजों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को घुटनों से जुड़ी बीमारियों, उनके समय पर उपचार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। शिविर के दौरान मरीजों के हड्डियों में कैल्शियम, रक्त शर्करा, हीमोग्लोबिन और एक्स-रे की जांच पूरी तरह निशुल्क की गई। जांच में कई मरीजों में घुटनों की गंभीर समस्या सामने आई, जिन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने शल्य चिकित्सा कराने की सलाह दी। चिकित्सकों ने मरीजों को घुटनों की देखभाल, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानचंद, चिकित्सक डॉ. कप्तान यादव, शल्य चिकित्सक डॉ. नरोत्तम सिंह और अस्पताल के निदेशक वीरेंद्र मास्टर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाबा शीतल महाराज और नीमराना के सहायक पुलिस अधीक्षक सुरेश खींची अपनी धर्मपत्नी के साथ पहुंचे और

आयोजन की सराहना की। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर जांच कराने का आह्वान किया। डॉ. ज्ञानचंद ने बताया कि अस्पताल में पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, कर्मचारी राज्य बीमा योजना और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना सहित सभी प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत पात्र मरीजों का निशुल्क उपचार किया जा रहा है। निदेशक वीरेंद्र मास्टर ने कहा कि सतीश अस्पताल समय-समय पर समाज सेवा के उद्देश्य से ऐसे निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

रामकृष्ण मिशन के स्वास्थ्य शिविर में 160 मरीजों का उपचार:निःशुल्क दवाइयां बांटी;

स्वामी आत्मनिष्ठानंद बोले- गरीब और जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रहे शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी कस्बे के रामकृष्ण मिशन विवेकानंद स्मृति मंदिर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 160 रोगियों ने स्वास्थ्य जांच कराकर चिकित्सा लाभ लिया। मिशन के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में झुंझुनूं के महावीर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की बीपी, शुगर और अन्य आवश्यक जांचें कीं। जांच के बाद चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

गरीब और असहाय लोगों के लिए वरदान हैं शिविर

मिशन सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने बताया कि रामकृष्ण मिशन सामाजिक सरोकारों के तहत समय-समय पर ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करता है।

उन्होंने कहा कि ये शिविर गरीब और असहाय लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में रामकृष्ण मिशन की अलग पहचान है और संस्था लगातार जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

महिलाओं और बच्चों को भी दिया जा रहा प्रशिक्षण

स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने बताया कि मिशन स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए महिलाओं को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है। इसके साथ ही बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिशन की ओर से समय-समय पर गरीब परिवारों को वस्त्र और अन्य घरेलू सामग्री वितरित की जाती है। साथ ही मिशन में आने वाले लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास किया जाता है।

ये रहे मौजूद

शिविर में स्वामी योगयुक्तानंद महाराज, स्वामी प्रशांतानंद महाराज, डॉ. महावीर मील, डॉ. अंकुर मील, योगेश बबेरवाल, मुकेश कुमार, दुष्यंत सोनी, बंटी महला, रोहित जांगिड़, संजय कुमार, कालीचरण गुप्ता, रोशन लाल, कृष्ण कुमार, मोहनलाल और उमाशंकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

युवक को बचाने के प्रयास में तीन लोग 11 केवी बिजली लाइन की चपेट में आए, दो की हालत गंभीर

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

पिलानी कस्बे के भगत सिंह सर्किल के पास रविवार को मानसिक रूप से अस्वस्थ एक व्यक्ति को बचाने के प्रयास में तीन युवक 11 केवी हाई-टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। वार्ड के पूर्व पार्षद राजकुमार नायक ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले 30 वर्षीय सतीश पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान थे और घर से निकल गए थे। उन्हें ढूंढते हुए उनके 18 वर्षीय पुत्र ऋतिक और 26 वर्षीय साहिल ने

उन्हें एक दो मंजिला इमारत की छत पर पाया। सतीश को नीचे उतारने के प्रयास में वे छत से लटक गए और जैसे ही ऋतिक व साहिल ने उन्हें बचाने के लिए हाथ पकड़ा, सतीश का पैर पास से गुजर रही 11 केवी हाई-टेंशन लाइन को छू गया। करंट लगते ही तीनों झुलस गए और छत से सीधे नीचे जमीन पर आ गिरे। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को पिलानी के बिरला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने ऋतिक और सतीश की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें झुंझुनू रेफर कर दिया। वहीं साहिल का इलाज पिलानी के बिरला अस्पताल में ही जारी है।

पांचना विवाद को जातीय रंग न दें, शांति और भाईचारा बनाए रखें: आदिवासी मीणा पंच पटेल महापंचायत

पानी किसानों और सिंचाई का विषय, सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणियों से बचने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर/दौसा।

मनोज खंडेलवाल । पांचना बांध की नहरों में पानी छोड़े जाने को लेकर बने हालात के बीच आदिवासी मीणा पंच पटेल महापंचायत ने सभी पक्षों से शांति, संयम और सामाजिक भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। महापंचायत ने स्पष्ट कहा है कि यह मामला किसानों, सिंचाई व्यवस्था, कमांड एरिया और न्यायालय के आदेशों से जुड़ा है, इसलिए इसे किसी भी स्थिति में जातीय विवाद का रूप नहीं दिया जाना चाहिए। महापंचायत के दौसा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा हिंगोटा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम लाल मीणा की अध्यक्षता में आयोजित टेलीफोनिक कॉन्फ्रेंस में पांचना बांध से जुड़े मौजूदा हालात, कमांड एरिया के किसानों की मांग, न्यायालय के निर्देश तथा सोशल मीडिया पर बढ़ती भड़काऊ टिप्पणियों पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर चिंता जताई गई कि किसानों के पानी और सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को कुछ लोग गुर्जर और मीणा समाज के बीच संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे वर्षों पुराना सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

महापंचायत ने कहा कि कमांड एरिया में विभिन्न समाजों के किसान निवास करते हैं और पानी का सवाल खेती, फसल तथा किसान परिवारों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जातीय तनाव फैलाने वाली भाषा या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां किसी के हित में नहीं हैं। सभी किसानों और विशेष रूप से युवाओं से संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने तथा हिंसा, कानून-विरोधी गतिविधियों और भड़काऊ प्रचार से दूर रहने का आग्रह किया गया। महापंचायत ने शासन-प्रशासन से भी न्यायालय के आदेशों और कानून के अनुरूप पांचना बांध विवाद का निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों से अपील की गई कि वे इस संवेदनशील विषय को जातीय संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करने से बचें तथा संवाद, शांति और समाधान को बढ़ावा देने में सकारात्मक भूमिका निभाएं। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पृथ्वीराज मीणा, प्रदेश प्रवक्ता रूपसिंह गोरेहार, करौली जिला अध्यक्ष हीरालाल मीणा, अलवर जिला अध्यक्ष कमल सिंह मीणा, भरतपुर जिला अध्यक्ष भजनलाल मीणा, दौसा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा हिंगोटा, धौलपुर जिला अध्यक्ष रामभरोसी मीणा सहित महापंचायत के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहें।

जनसहयोग बना बेटी का संबल, बिना पिता की गाड़िया लुहार की बेटी की शादी बनी सामाजिक सरोकार की मिसाल

दानदाताओं ने पहुँचकर कन्यादान से लेकर भोजन व आवश्यक सामग्री तक की निभाई जिम्मेदारी।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के घाटा सहज्या में शनिवार को गाड़िया लुहार समाज के एक आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिता विहीन बेटी का विवाह जनसहयोग से सादगी और गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। क्षेत्र के दानदाताओं ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए किसी ने भोजन व्यवस्था का दायित्व संभाला, किसी ने आटे के कट्टे, तेल-मसाले, पत्तल-दोने तथा पेयजल सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर कन्यादान में सहभागिता निभाई। ग्रामीण अंचल में सामाजिक एकजुटता और सहयोग की यह मिसाल पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। विवाह

समारोह में समाजसेवी एडवोकेट भुवनेश त्रिवेदी अपनी धर्मपत्नी के साथ पहुंचे और कन्यादान कर नवविवाहित बेटी को घरेलू उपयोग के खाने-पीने के बर्तन उपहारस्वरूप भेंट किए। उन्होंने परिवार को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। उल्लेखनीय है कि विवाह से पूर्व बेटी की विधवा मां स्वयं निमंत्रण पत्र लेकर रसीदपुर स्थित उनके निवास पर पहुंची थीं और सहयोग का आग्रह किया था। विवाह में रसीदपुर, मंडावर सहित आसपास के गांवों से पहुंचे दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग करते हुए यह संदेश दिया कि समाज की सहभागिता से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के हाथ सम्मानपूर्वक पीले किए जा सकते हैं।

अध्यापक प्रेमचंद सोनल की ऐतिहासिक विदाई: 38 साल की सेवा के बाद लिया स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, अग्रवाल भवन में जुटा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । शिक्षा विभाग में 38 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट और बेदाग सेवाएं देने वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तेजरासर (बीकानेर) के वरिष्ठ अध्यापक प्रेमचंद सोनल ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। उनकी इस सेवानिवृत्ति को यादगार बनाने के लिए शिवबाड़ी रोड स्थित अग्रवाल भवन में एक भव्य और ऐतिहासिक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आमतौर पर सेवानिवृत्ति एक भावुक क्षण होता है, लेकिन श्री सोनल ने अपनी सेवा अवधि पूरी होने से कुछ समय पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर इस विदाई को एक उत्सव का रूप दे दिया। उनके पुत्र गोपाल सोनल अध्यापक ने बताया कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जनों, शिक्षाविदों और शुभचिंतकों ने भाग लिया।

निवास स्थान पर बाबा रामदेव जी का भव्य जागरण और महाप्रसादी

अग्रवाल भवन में आयोजित मुख्य विदाई

समारोह और भव्य प्रीतिभोज के बाद धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया। भजनों की अमृत वर्षा प्रेमचंद सोनल के निवास स्थान पर लोकदेवता बाबा रामदेव जी का एक विशाल जागरण रखा गया। रातभर चले इस जागरण में भजनों की शानदार प्रस्तुतियां हुईं, जिसका श्रद्धालुओं और परिजनों ने भरपूर आनंद लिया। महाप्रसादी (भंडारा) इसके साथ ही बाबा रामदेव जी की विशेष प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी आगंतुकों ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद लिया।

क्षेत्र में बनी चर्चा की मिसाल

38 साल की निष्कलंक सेवा के बाद इस तरह का भव्य और गरिमामय आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। श्री प्रेमचंद सोनल का यह विदाई समारोह उनके प्रति लोगों के अगाध सम्मान, प्रेम और उनके बेहतरीन सेवाकाल का जीता-जागता प्रमाण है।

प्रमुख हस्तियों ने दी बधाई और सराहा

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने श्री प्रेमचंद सोनल के 38 वर्षों के गौरवशाली सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त तो सभी होते हैं और विदाई का दुख भी सबको होता है, लेकिन एक शिक्षक के रूप में प्रेमचंद जी ने जो अमिट छाप छोड़ी है, वह आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

छात्रों की गूंज संविधान संवाद कार्यक्रम में उमड़े युवा, हक की आवाज की बुलंद

राहुल गांधी द्वारा छात्रों के हक के लिए शुरू किए गए छात्रों की गूंज अभियान की सार्थकता दिखाई दी : विधायक चंद्रप्रकाश

पेपर लीक व लचर शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं ने बुलंद की आवाज : विधायक चंद्रप्रकाश

अनिल जयहिंद ने संविधान, सामाजिक न्याय, शिक्षा और युवाओं की भूमिका पर साझा किए विचार

युवाओं के हक की लड़ाई में छात्रों की गूंज अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका : अनिल जयहिंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/मंडी आदमपुर।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और न्याययोद्धा राहुल गांधी द्वारा छात्रों के हक के लिए शुरू किए गए छात्रों की गूंज अभियान के क्रम में आयोजित संविधान संवाद कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।रोहतक की नेहरू कॉलोनी में स्थित अंबेडकर हॉल में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद और प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन व आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश ने शिरकत करके युवाओं का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र बघेल, राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध, वरिष्ठ विधायक शकुंतला खटक, हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रधान निशित कटारिया, रोहतक ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलवान सिंह रंगा, रोहतक शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप केडी, झज्जर जिला अध्यक्ष संजय यादव, भिवानी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया, रेवाड़ी

जिला अध्यक्ष सुभाष चावडिया व महेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव सहित काफी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, शिक्षक, छात्र व कार्यकर्ता मौजूद रहें। छात्रों को संबोधित करते हुए अनिल जयहिंद ने संविधान, सामाजिक न्याय, शिक्षा और युवाओं की भूमिका पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि युवाओं के हक की लड़ाई में छात्रों की गूंज अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के माध्यम से छात्रों को शिक्षा, संविधान की रक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की गूंज के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिक लक्ष्य है। इसलिए उन्हें संगठन से भी जोड़ा जा रहा है और देशभर में छात्र प्रतिनिधियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इसके साथ ही युवाओं को देश के संविधान के मूल सिद्धांतों से अवगत करवाते हुए आरक्षण और सामाजिक न्याय के प्रति सचेत किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा छात्रों की समस्याओं को समझते हुए उनके हक के लिए शुरू किए गए छात्रों की गूंज अभियान की सार्थकता, संविधान संवाद कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह व जोश देखने लायक रहा। उन्होंने कहा कि विभिन्न परीक्षाओं के बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया है लेकिन इस दिशा में मौजूदा सरकार का रवैया उदासीन है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था लचर हो चुकी है और बेरोजगारी चरम पर है। सरकार रोजगार के साधन मुहैया करवाने की अपेक्षा केवल बयानबाजी तक सीमित है। उन्होंने कहा कि युवाओं को संविधान को समझकर संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के प्रति भी गंभीर होना होगा।

मेघ सेना राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष भेरूलाल मेघवाल कुंडा का कल्याणपुर में भव्य स्वागत व अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.कल्याणपुर।

सोहनलाल परिहार । मेघ सेना राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष आदरणीय भेरूलाल मेघवाल कुंडा के सम्मान में मेघवाल समाज, कल्याणपुर द्वारा एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमामय और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं, मातृशक्ति एवं गणमान्य नागरिकों ने भारी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात कल्याणपुर मेघवाल समाज की ओर से मुख्य अतिथि भेरूलाल कुंडा का पुष्पमालाओं से जोरदार स्वागत किया गया तथा पारंपरिक राजस्थानी साफा व प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. बी.आर. आंबेडकर की तस्वीर भी भेंट की गई।

वक्ताओं ने जताया विश्वास: संगठन को मिलेगी नई दिशा'

समारोह में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने भेरूलाल मेघवाल को प्रदेशाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में मेघ सेना और समाज नई ऊँचाइयों को छुएगा। साथ ही शिक्षा का प्रसार, सामाजिक एकता, युवाओं में जागरूकता और सांगठनिक मजबूती को एक नई दिशा मिलेगी। सभी ने उनके उज्ज्वल और सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

मातृशक्ति और गणमान्य नागरिकों की रही अनुकरणीय उपस्थिति

इस गौरवपूर्ण अवसर पर समाज की मातृशक्ति ने भी

बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। माताओं एवं बहनों ने अपने स्नेह और आशीर्वाद से समारोह को और भी गरिमामय बनाया।

चंद्रकांत मेघवाल ने किया ओजस्वी मंच संचालन

पूरे कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली मंच संचालन चंद्रकांत मेघवाल द्वारा किया गया। उन्होंने अपने सरल, सुगठित और ओजस्वी शब्दों से समां बांध दिया। चंद्रकांत ने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए कार्यक्रम की प्रत्येक कड़ी को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया, जिसकी सभी ने सराहना की।

एकता और सामाजिक उत्थान का संकल्प

समारोह के अंत में कल्याणपुर मेघवाल समाज की ओर से उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति एवं सजग युवाओं का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक स्वर में 'समाज की एकता, शिक्षा, संगठन और सामाजिक उत्थान' के लिए निरंतर मिलकर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

जनसेवा ही सार्वजनिक जीवन का मूल उद्देश्य: राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

डांगरा स्थित फार्म हाउस पर क्षेत्रवासियों से मिले सांसद, जनसमस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को अपने पैतृक गांव डांगरा स्थित फार्म हाउस पर क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी रंगा समाधान के निर्देश दिए।विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली, सिंचाई, सामाजिक पेंशन, युवाओं के रोजगार तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे सांसद के समक्ष रखे। राज्यसभा सांसद ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आमजन के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनकी समस्याओं का समाधान कराना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को कायम रखने के लिए वे निरंतर क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करतेउन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय तथा आमजन से नियमित संवाद आवश्यक है। निरंतर जनसंपर्क से विकास कार्यों में तेजी आती है और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचता है।सांसद सुभाष बराला ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास, जनकल्याण और प्रत्येक नागरिक की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

फतेहाबाद ज़िला पुलिस कप्तान निकिता खट्टर से लगाई गुहार

दलित समुदाय के शिकायत कर्ताओं की एससीएसटी एक्ट की शिकायतों की न हो अनदेखी -एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा, प्रदेश प्रवक्ता,भीम आर्मी (लीगल)

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने हरियाणा सरकार व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की है कि टोहाना में स्थानीय पुलिस प्रशासन दलित समुदाय के शिकायत कर्ताओं की शिकायतों को या तो अनदेखा कर देते हैं या उसमें जबरन दबाव डाल कर समझौता करवा देते हैं जिससे दलित समुदाय के शिकायत कर्ता को न्याय नहीं मिल पाता। एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा प्रदेश प्रवक्ता लीगल विंग हरियाणा भीम आर्मी ने स्थानीय पुलिस प्रशासन पर आरोपी लगाया कि स्थानीय पुलिस में शिकायत देने के बाद एस सी एस टी एक्ट के तहत आरोपी के

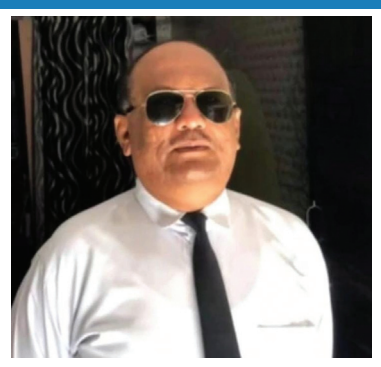

खिलाफ कार्यवाही नहीं होती जब कि शिकायत कर्ता की शिकायत में स्पष्ट तौर पर आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत व तथ्य बताए जाते हैं। शिकायतकर्ता की शिकायत अगर एस सी एस टी एक्ट के तहत दी जाती है तो उक्त शिकायत की जांच कानूनन प्रावधानों के तहत उप पुलिस अधीक्षक यानी कि डीएसपी रैंक का अधिकारी करता है परंतु स्थानीय पुलिस उक्त शिकायत को सम्बंधित थाने में भेज देता है जहां दलित शिकायत कर्ता पर रातों दबाव डाल कर समझौता लिखवा दिया जाता है या उसे रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता है। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता लीगल विंग एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर से भी अनुरोध किया है कि दलित समुदाय से सम्बंधित शिकायतों की जांच डीएसपी रैंक के अधिकारी से ही करवाई जाए ताकि शिकायत कर्ता को न्याय मिल सके। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने पिछली कई शिकायतों में दबाव देकर खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए और शिकायत कर्ता के चाहने के बाद भी आरोपी के खिलाफ कोई जांच या कानूनी कार्रवाई नहीं हुई। ताज़ा मामला है महावीर पुत्र बब्बर भान निवासी टोहाना की एस सी एस टी एक्ट शिकायत पर चंडीगढ़ रोड़ टोहाना स्थित पुलिस चौकी ने जबरन शिकायत कर्ता के हस्ताक्षर करवा कर पूरे मामले को दबा दिया और ये सब कैसे हुआ पब्लिक जानती है बताने की जरूरत नहीं। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने हरियाणा के डीजीपी महोदय, राष्ट्रीय चैयरमेन अनुसूचित जाति आयोग नई दिल्ली को भी पत्र लिखकर मांग की है कि एससी एसटी एक्ट से संबंधित शिकायतों की सुनवाई स्वयं डीएसपी रैंक का अधिकारी ही करें।

पानीपत में कांग्रेस की प्रथम कानूनविद चिंतन बैठक, संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/पानीपत।

रजत विजय रंगा । हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के तत्वावधान में कांग्रेस भवन, पानीपत में प्रथम कानूनविद चिंतन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिसार से एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल के नेतृत्व में अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कार्यक्रम में संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, अनुसूचित जाति समाज के अधिकारों और कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान देश में समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय का आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान की मूल भावना को कमजोर करने के प्रयास हो रहे हैं, जिनका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता एवं एआईसीसी अनुसूचित जाति विभाग की राष्ट्रीय लीगल इंचार्ज एडवोकेट मेघा सहरा ने कहा कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। अनुसूचित जाति समाज पर बढ़ते अत्याचारों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कानूनों के निष्पक्ष और प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई।

एडवोकेट खोवाल ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम कमजोर वर्गों की सुरक्षा का सबसे मजबूत कानूनी हथियार है और इसके निष्पक्ष पालन से ही न्याय व्यवस्था में लोगों का विश्वास कायम रहेगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुटेल, एडवोकेट नरेंद्र भिवान, एडवोकेट बजरंग इंदल सहित प्रदेशभर से आए अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने संविधान की रक्षा, कानूनी जागरूकता बढ़ाने तथा वंचित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए संगठित प्रयासों का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में आयोजक एडवोकेट नरेंद्र भिवान ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चिंतन बैठक भविष्य में संविधान, सामाजिक न्याय और कानूनी सुधारों पर निरंतर संवाद का स्थायी मंच बनेगी।

फतेहाबाद पुलिस ने शराब ठेकों पर हुई लूट का किया पर्दाफाश, 5 हजार का इनामी समेत तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर (आईपीएस) के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'अपराध मुक्त फतेहाबाद अभियान' के तहत फतेहाबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए रुपावाली और खासवा गांव के शराब ठेकों पर हुई लूट की दो सनसनीखेज वारदातों का खुलासा कर दिया। सीआईए टोहाना, थाना जाखल और थाना सदर टोहाना की संयुक्त टीम ने तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, अवैध हथियार और गंडासी बरामद की है।एएसपी दिव्याशी सिंगला ने प्रेसवार्ता में बताया कि 2 जुलाई की रात रुपावाली और खासवा स्थित शराब ठेकों पर हथियारबंद बदमाशों ने सेल्समैन से मारपीट कर करीब 44 हजार रुपए की नकदी और शराब लूट ली थी। दोनों मामलों में अलग-

अलग थानों में बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए थे। घटना के बाद एसपी निकिता खट्टर के निर्देश पर गठित विशेष टीमों ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए जाखल क्षेत्र से सिकंदर पुत्र रूपा सिंह निवासी रत्ताथेह को अवैध 32 बोर पिस्टल सहित गिरफ्तार किया। सिकंदर हत्या के एक चर्चित मामले में लंबे समय से फरार था और उस पर रू5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा पुलिस ने विजय उर्फ चांदी निवासी कुलरिया (पंजाब) को 315 बोर के अवैध देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान शराब ठेकों पर हुई लूट का खुलासा हुआ, जिसके आधार पर तीसरे आरोपी जश्न सिंह उर्फ राठा निवासी कुलरिया (पंजाब) को भी गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त गंडासी बरामद की गई।

पुलिस ने तीनों आरोपियों के कब्जे से लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, अवैध हथियार और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद कर लिए हैं। आरोपियों से पुलिस रिमांड के दौरान अन्य आपराधिक वारदातों और उनके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है। एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि फतेहाबाद में अपराधियों के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। अपराध छोड़ दें, अन्यथा कानून के शिकंजे और जेल की सलाखें ही उनका अंतिम ठिकाना होंगी।

ऑटो-पे और सब्सक्रिप्शन फ्रॉड से रहें सतर्क, अनजान ऐप्स को न दें अनुमतिः एसपी निकिता खट्टर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस ने ऑटो-पे सब्सक्रिप्शन और ऑटो-डेबिट से जुड़े बढ़ते साइबर फ्रॉड को लेकर आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर (आईपीएस) ने लोगों से मोबाइल ऐप, वेबसाइट और ऑनलाइन सेवाओं पर ऑटो-पे सुविधा का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि साइबर ठग फर्जी ऐप और वेबसाइट के जरिए लोगों से ऑटो-पे की अनुमति लेकर उनके बैंक खाते या यूपीआई से हर महीने स्वतः पैसे कटवा रहे हैं। कई बार लोग अनजाने में ओटीपी दर्ज कर या 'ऑटो डेबिट की अनुमति दें' पर क्लिक करके ठगों को भुगतान की अनुमति दे देते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी ऐप या वेबसाइट को ऑटो-पे की अनुमति देने से पहले उसकी विश्वसनीयता अवश्य जांचें। केवल आधिकारिक और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही ऑटो-पे सुविधा सक्रिय करें। किसी भी अनजान लिंक, कॉल या आकर्षक ऑफर के झांसे में आकर ऑटो-डेबिट की अनुमति न दें। एसपी ने नागरिकों से समय-समय पर बैंक खाते, यूपीआई ऐप और नेट बैंकिंग में सक्रिय ऑटो-पे मैन्डेट की जांच करने तथा संदिग्ध मैन्डेट को तुरंत बंद कराने की सलाह दी। यदि खाते से बिना जानकारी के पैसे कट रहे हों तो तुरंत संबंधित बैंक को सूचित करें, ऑटो-पे मैन्डेट रद्द कराएं और इसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से इस साइबर सुरक्षा एडवाइजरी को अधिक से अधिक साझा करने की अपील की, ताकि साइबर ठगी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

विजयवर्गीय समाज सेवा समिति, मानसरोवर ने मनाया वृक्षारोपण महोत्सव, लगाए अशोक, नीम व आम के पौधे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा, प्रादेशिक सभा एवं स्थानीय शाखा जयपुर के आह्वान पर विजयवर्गीय समाज सेवा समिति, मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में रविवार को सामुदायिक केन्द्र, सेक्टर-8, अरावली मार्ग, मानसरोवर में

वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अशोक, नीम, आम एवं अन्य छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। उपस्थित जनों ने वृक्षों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर महासभा संरक्षक संतोष , महासभा उपाध्यक्ष राजेन्द्र एडवोकेट, प्रदेश चुनाव अधिकारी राजेश , पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण , समिति अध्यक्ष आनन्द विजयवर्गीय, महामंत्री दिनेश कुमार विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष योगेश विजयवर्गीय, मुख्य सलाहकार सुरेन्द्र , संतोष गुडलिया, राजेन्द्र भाखरी, विनोद , महेन्द्र , राकेश , जितेन्द्र , मनोज , रामजीलाल , युवा संयोजक रविशंकर सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला संयोजिका अनीता विजयवर्गीय व मातृशक्ति से शकुन्तला विजयवर्गीय, निर्मला,मीनू, विनती, इन्दू, सुनीता, शशि, लतेश, मीना,रीना, कुसुम एवं मंजू की विशेष सहभागिता रही। समिति अध्यक्ष आनन्द विजयवर्गीय ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।

आयुर्वेदिक पद्धति से किया मरीजों का इलाज

113 लोगों को जांच के बाद बांटी दवाएं, भारत विकास परिषद के स्थापना दिवस पर लगाया कैम्प

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में भारत विकास परिषद की शाखा के 64वें स्थापना दिवस पर एक आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मिश्र स्मृति भवन में आयोजित इस शिविर में 113 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श और दवाएं वितरित की गईं। यह शिविर सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला। शाखा सचिव रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि शिविर का आयोजन मोहता आयुर्वेदिक रसायन शाला-बीकानेर और आयुर्वेद विभाग चूरू के सहयोग से किया गया था। इसमें डॉ. प्रमोद मिश्र (प्राचार्य, आयुर्वेद महाविद्यालय, बीकानेर), डॉ. संजय तंवर (आयुर्वेद चिकित्सक, चूरू), डॉ. विष्णुकान्त कलावटिया (आयुर्वेद चिकित्सक, चूरू) और डॉ. गौरव शर्मा (आयुर्वेद चिकित्सक, जयपुर) ने सेवाएं दीं। इन चिकित्सकों ने रोगियों का आयुर्वेदिक पद्धति से परीक्षण, परामर्श और उपचार किया।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

रोगियों को विभिन्न रोगों के उपचार के साथ-साथ संतुलित दिनचर्या, उचित आहार-विहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। शिविर के सफल संचालन में हुकुमचंद गौड़, मैनपालसिंह शेखावत और मदन सिंह राजपुरोहित ने संयुक्त रूप से शिविर प्रभारी की भूमिका निभाई। ओमप्रकाश इन्दोरिया और नवरत्न महर्षि ने पंजीकरण व्यवस्था संभाली।

परिषद के सदस्यों ने कंपाउंडर अशोक जांगिड़ और जितेंद्र मुंड को दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। शिविर में श्यामसुंदर पारीक, उपाध्यक्ष निरंजन वर्मा, वित्त सचिव पवन जांगिड़, सेवा संयोजक महेश मिश्र, डॉ. भारतेन्दु अग्रवाल, कन्हैयालाल शर्मा, शंभूदयाल शर्मा, उमेश चौहान, मोहनलाल शर्मा, अशोक आसेरी, सुनील कुमार और डॉ. हनुमान प्रसाद सहित कई सदस्य मौजूद रहे। संचालन परिषद् के संयुक्त सचिव पुनीत लाटा व संदीप शर्मा ने किया।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा में कड़ी-सुरक्षा के बाद मिली एंट्री

अभ्यर्थियों के चप्पल, दुपट्टे उतरवाए, 6 दिन तक चलेंगे एग्जाम

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर की ओर से वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा (माध्यमिक शिक्षा विभाग)-2025 रविवार सुबह आयोजित हुई। इससे पहले परीक्षार्थियों को कड़ी जांच पड़ताल के बाद ही प्रवेश दिया है। कई परीक्षार्थी हाथ में धागा, नाक की बाली, कान के इयररिंग खुलवाए गए। सुबह 10 बजे परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले परीक्षा केंद्र में प्रवेश बंद कर दिया गया। दस बजे परीक्षा शुरू हो गई है।

सेंटर के बाहर उतरवाई चप्पल

जांच के दौरान परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली गई। कई केंद्रों पर अभ्यर्थियों को अपनी चप्पलें तक बाहर उतारनी पड़ीं। इतना ही नहीं, सुरक्षा जांच के नाम पर छात्राओं के दुपट्टे भी उतरवा दिए गए। यही नहीं, कई केंद्रों पर परीक्षार्थियों के हाथों में बंधे मौली और धार्मिक धागे भी कटवा दिए गए, ताकि किसी भी तरह से नकल की गुंजाइश न रहे।

जिले में बनाए गए 48 परीक्षा केंद्र

परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिले में कुल 48 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह परीक्षा जिले में अगले छह दिनों तक कुल 11 पारियों में संपन्न होगी, जिसमें 1,05,917 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिला मुख्यालय पर 23 केंद्र, चिड़ावा में 12 केंद्र, नवलगढ़ में 7 केंद्र, बगड़ में 6 केंद्र बनाए गए है।

समय पर गेट बंद हुए

परीक्षा पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक है। फिर दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक है। नियमानुसार, परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले तक ही केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। एक बार परीक्षा केंद्र के गेट बंद हो जाने के बाद किसी भी स्थिति में विलंब से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया गया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पुलिस और प्रशासन ने हर केंद्र पर अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया है। केंद्र के बाहर भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे और अभ्यर्थियों को कतारबद्ध तरीके से प्रवेश दिया गया। परीक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

पूर्व मुख्यमंत्री के पैतृक गांव में बदहाल गलियां, जलभराव से ग्रामीण त्रस्त

सीएम विंडो पर शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समाधान, ग्रामीणों ने स्थायी जल निकासी व्यवस्था की उठाई मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रोहतक।

अशोक मेहरा । हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैतृक गांव निदाना खास तथा निदाना मोहम्मदपुर में जल निकासी व्यवस्था ठप होने से मुख्य गलियां बदहाल हो गई हैं। जलभराव की समस्या के कारण ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो रहा है और क्षेत्र में संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

मुख्य गली बनी जलभराव का केंद्र

ग्रामीणों के अनुसार गांव के हजारों घरों का गंदा पानी मुख्य गली से होकर निकलता है, लेकिन उचित निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण पूरे वर्ष पानी जमा रहता है। बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे सड़कें कीचड़ और गंदे पानी से भर जाती हैं तथा पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

स्थायी समाधान की मांग

ग्रामीणों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि गांव की मुख्य गली में

वैज्ञानिक तरीके से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए तथा क्षतिग्रस्त गलियों का पुनर्निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों को जन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि विकास के दावों को धरातल पर उतारते हुए निदाना खास और निदाना मोहम्मदपुर की वर्षों पुरानी जल निकासी समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

सीएम विंडो पर शिकायत, फिर भी राहत नहीं

ग्रामीण सिकंदर, संदीप सिंह, सत्यवान सिंह, दीपक कुमार, हरिओम शर्मा, संजय राठी, कुलदीप सिंह, रमेश कुमार, अमन कुमार, सरोज देवी, बाला देवी, माया, कमल और गुड्डी सहित अन्य लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर सीएम विंडो सहित संबंधित विभागों को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में निराशा और रोष व्याप्त है।

बीमारियों का बढ़ा खतरा

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से जमा गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो के विशिष्ट वर्ग के परिचय सम्मेलन में 389 समाजबंधुओं की भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के अंतर्गत माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो द्वारा विशिष्ट वर्ग के लिए तृतीय बायोडाटा संकलन एवं अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी समाज भवन के तृतीय तल पर आयोजित किया गया। चेयरमैन कमल किशोर साबू ने बताया कि कार्यक्रम 32 वर्ष से अधिक आयु के युवक-युवतियों, विधवा-विधुर एवं तलाकशुदा प्रत्याशियों के लिए आयोजित किया गया। विवाह प्रकोष्ठ मंत्री श्याम सुंदर जाजू के अनुसार, जुलाई माह में गूगल फॉर्म के माध्यम से 273 बायोडाटा पंजीकृत हुए तथा विभिन्न शहरों से 389 समाजबंधुओं ने प्रत्याशियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की आरती एवं वंदना के साथ हुआ। समाज अध्यक्ष उमेश सोनी और महामंत्री रोहित परवाल ने संबोधित करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए उपयोगी बताया। मुख्य समन्वयक राजेंद्र मूंधड़ा एवं कार्यालय समन्वयक घनश्याम भंडारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 2000 से अधिक बायोडाटा उपलब्ध कराए गए।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

- नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण, 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल 2026 के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है। वह हमें जिंदा रखने के लिए अनाज और फल पैदा करती हैं। वह हमारे पीने के लिए पानी देती हैं और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करती हैं।

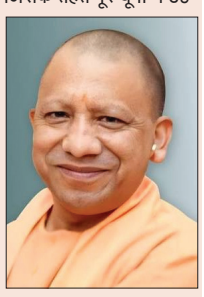

ताज होटल में बम होने की फर्जी सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में मशहूर मुंबई की प्रतिष्ठित ताज होटल में बम रखे जाने की एक फर्जी सूचना ने रविवार तड़के पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगवाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिलने पर पुलिस ने कॉल को फर्जी करार दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया, कि देर रात करीब 12-13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में यह फोन कॉल प्राप्त हुआ था। कॉल करने वाले ने दावा किया कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल में बम लगाया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोलाबा पुलिस, मुंबई क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत होटल पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करते हुए होटल परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान होटल के कमरों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सावधानीपूर्वक जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने के उद्देश्य से किया गया फर्जी कॉल बताया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने फोन कॉल का स्रोत नवी मुंबई के तुर्भे क्षेत्र में चिन्हित किया है। पुलिस का कहना है कि कॉल करने वाले की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम रवाना की गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाला ताज महल पैलेस होटल देश के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिना जाता है। वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान यह होटल आतंकवादियों का प्रमुख निशाना बना था, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। इसी कारण होटल की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ रखी जाती है और किसी भी प्रकार की धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां तत्काल उच्च स्तर की सतर्कता बरतती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, चार साल मे चार्जशीट नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

16 से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा, आयोजन को सफल बनाने तैयारियों में जुटा प्रशासन

पटना(एजेंसी)। 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार, पुलिस प्रशासन, सेवायतों और लोगों के प्रयासों से इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को तीन विशाल लकड़ी के रथों में विराजमान कर श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे। जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा एक हफ्ते तक रहते हैं। फिर उसके बाद जगन्नाथ मंदिर लौट आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर, पुरी के सेवायत दैतापति भबानी दास महापात्रा ने कहा कि रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दैतापति परिवार, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के सभी लोग महाप्रभु की कृपा से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। भगवान जगन्नाथ स्वयं इस रथ यात्रा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम स्वयं तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए बताया कि यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अब तक 20 से 30 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। महापात्रा ने विश्वास जताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्तों, सेवायतों, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग और मिले-जुले प्रयासों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ मंदिर में इस दिव्य और भव्य उत्सव की सभी तैयारियां पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत: बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

मैं कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

-चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों–अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा–को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग 22 किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से ध्यान भटकाने बीजेपी यूसीसी का मुद्दा उठा रही

-शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने कहा-बीजेपी बाबर जनता पार्टी बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है। शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है। आदित्य ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है। आदित्य ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए। हम इसका समर्थन करेंगे। आदित्य ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। बता दें शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी। इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था।

नरोत्तम मिश्रा ने ऐसा क्या कह दिया कि उमा भारती ने की सराहना

-दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी को रार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की खुले मन से सराहना की है। वहीं उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा से घोषित प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद भी दे दिया है।

दरअसल भाजपा प्रत्याशी घोषणा को लेकर नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। जो आगे चलकर हिंसक हो गया। इसी बीच शीर्ष नेतृत्व के दखल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने का ऐलान किया, जिसे उमा भारती ने संगठनात्मक मर्यादा और राजनीतिक परिपक्वता का आदर्श उदाहरण बताया है। यहां बताते चलें कि इन दिनों उमा भारती वृंदावन प्रवास पर हैं। वहीं से उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन कर चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें पूरे मन से विजय का आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इसी के साथ ही उमा भारती ने अपनी पोस्ट में नरोत्तम मिश्रा का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वे आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होंगे। उन्होंने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों और पार्टी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यही किसी बड़े नेता की पहचान होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह नरोत्तम मिश्रा का अत्यंत सम्मान करती हैं और उनके प्रति स्नेह रखती हैं। उन्होंने कहा कि जो बात वह स्वयं कहना चाहती थीं, उसे नरोत्तम मिश्रा ने अपने व्यवहार से पहले ही सिद्ध कर दिया। उनके अनुसार, यह नरोत्तम मिश्रा के बड़प्पन और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद कुछ समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने और पथराव की घटना भी हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया है, जिसका असर भी नजर आया है।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

-केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़(एजेंसी)। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

-इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरों के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-9 बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक 30 टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फ़िगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-9 जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

जुलाई में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ डाले

- चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड रही

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। यह बेहतर होते घरेलू आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा का परिणाम है। जुलाई से पहले, एफपीआई ने मार्च से जून तक चार महीनों में भारतीय शेयरों से करोड़ों रुपये की बड़ी निकासी की थी, जिसमें मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली भी शामिल थी। फिर भी चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड़ रुपये रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई में निवेश की यह वापसी वैश्विक जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति, भू-राजनीतिक तनाव घटने, ऊर्जा कीमतों की चिंता कम होने और भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति पर भरोसे का परिणाम है। घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार और रुपये की स्थिरता ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। हालांकि, विश्लेषकों ने आगाह किया है कि जुलाई की यह वापसी उत्साहजनक है, फिर भी भविष्य का रुख वैश्विक परिस्थितियों और भारत की घरेलू आर्थिक वृद्धि की मजबूती पर निर्भर करेगा। इसी बीच, एफपीआई ने जुलाई में ऋण बाजार में भी पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत 6,625 करोड़ रुपये तथा सामान्य मार्ग से 3,228 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ओसवाल ओवरसीज को दिवाला कार्यवाही से राहत, एनसीएलएटी ने वापसी की दी अनुमति

- कंपनी और वित्तीय ऋणदाता के बीच 2.80 करोड़ में हुआ समझौता

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओसवाल ओवरसीज लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह फैसला कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता एलएच शुगर फैक्टरीज के बीच हुए एक सौहार्दपूर्ण समझौते के बाद आया है, जिसके तहत ओसवाल ओवरसीज ने 2.80 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। एनसीएलएटी पीठ के समक्ष ओसवाल ओवरसीज और एलएच शुगर फैक्टरीज ने संयुक्त आवेदन दाखिल कर सौहार्दपूर्ण समझौते की जानकारी दी, जिसकी शर्तें भी प्रस्तुत की गईं। समझौते के तहत, ओसवाल ओवरसीज ने एलएच शुगर फैक्टरीज को 2.80 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सौंप दिया है। ऋणदाता के वकील ने वित्तीय कर्ज के पूर्ण निपटान की पुष्टि की। पूर्व में एनसीएलएटी ने अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को दिवाला समाधान प्रक्रिया में आगे बढ़ने से रोका था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने बताया कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 12ए के तहत औपचारिक वापसी के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष आवेदन आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि आईबीसी के हालिया संशोधनों के अनुसार, ऐसे आवेदन पर ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की मंजूरी आवश्यक है, जो सभी दावों के सत्यापन के बाद गठित होती है।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को अंतरराष्ट्रीय झटका, जी5 से हटाई गई

मुंबई ।

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारत में रिलीज़ न होने के बाद अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इसे जी5 की इंटरनेशनल लाइब्रेरी से हटा दिया गया है। इस कदम से फिल्म के सर्टिफिकेशन और रिलीज़ को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, भारत में भी इसे अभी तक रिलीज़ की मंजूरी नहीं मिली है। फिल्म का नाम पहले पंजाब 95 था और इसे 2022 में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास भेजा गया था, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1980 और 1990 के दशक में पंजाब में कथित अवैध दाह संस्कार और फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर किया था। यही संवेदनशील विषय इस फिल्म के लंबे विवाद का मुख्य कारण है।

कंपनियों के नतीजे, भू-राजनीति और क्रूड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

निवेशक अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल पर रखेंगे पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,670 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,275 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह खरीदारी का रुख जारी रहता है, तो बाजार को अच्छा समर्थन मिलेगा। अंत में रुपये की चाल भी महत्वपूर्ण रहेगी।

शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.38 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह दबाव में रहा था। डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा बदलाव रुपये को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ना तय है।

कुल मिलाकर यह सप्ताह कॉर्पोरेट नतीजों, भू-राजनीति और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के बीच निवेशकों के लिए सतर्कता और अवसरों का संतुलन लेकर आएगा।

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष में 5,500 करोड़ के डूबे कर्ज की वसूली का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए 5,500 करोड़ रुपए के डूबे कर्ज (एनपीए) की वसूली और 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बैंक ने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार और जमा आधार को मजबूत करने के लिए इन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इंडियन बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 1,885 करोड़ रुपए डूबे कर्ज की वसूली कर ली है। बैंक का पूरे वित्त वर्ष के लिए 4,500 से 5,500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य है, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लंबित मामलों से 500 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बैंक 9 जुलाई तक 14 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जमा (एफसीएनआर-बी) जुटा चुका है और सितंबर तक 2 अरब डालर का लक्ष्य लेकर आशान्वित है। फिलहाल, बैंक के पास लगभग .1 अरब की संभावित जमा पाइपलाइन में है। बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर 5.5 से 6.5 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाए जाने के बाद संभव हुआ है। कम लागत वाली चालू एवं बचत खाते (कासा) जमा को बढ़ाने के प्रयासों के तहत, पहली तिमाही में इसमें 15.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जून तिमाही के अंत तक कासा जमा बढ़कर 3.19 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे कुल जमा में इसकी हिस्सेदारी 39.73 फीसदी तक पहुंच गई है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में कासा अनुपात को 40 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने जून तिमाही में 17 लाख निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर 1,469 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जमा जोड़ी है।

बाजार की नरमी में भी चार दिग्गजों का जलवा, 93 हजार करोड़ का उछाल

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मामूली गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार ने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत प्रदर्शन किया। इन चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भी 16,065.50 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,60,205.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसने पहले स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके विपरीत शीर्ष 10 में शामिल अन्य छह कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी

सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में कुल 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर को सर्वाधिक 12,088.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि एलएंडटी का मूल्यांकन 11,040.23 करोड़ रुपये घट गया। इस अवधि में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक (0.26 प्रतिशत) की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में चुनिंदा बड़े खिलाड़ियों की मजबूती और निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाते हैं।

खाद्य तेलों में आया उछाल: विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 175-175 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,175-7,225 रुपये और 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल और इंडोनेशियन क्राकाटाउ स्टील स्टेनलेस स्टील जेवी पर सहमत

- 5-10 लाख टन क्षमता की परियोजना की संभावना, इंडोनेशिया के निकल भंडार का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील ने एक संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य इंडोनेशिया में 5 लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना की संभावनाओं को तलाशना है। यह प्रस्तावित जेवी स्टेनलेस स्टील स्लैब के विनिर्माण पर केंद्रित होगा। सूत्रों के अनुसार उत्पादन इंडोनेशिया में होगा, जहां दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार और सस्ती लागत का लाभ उठाया जा सकेगा। उत्पादित स्लैब की आपूर्ति सेल के आंध्र प्रदेश स्थित सलेम स्टील प्लांट को की जाएगी। सेल के एक अ धिकारी ने बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में विश्वसनीय कच्चे माल की उपलब्धता और रणनीतिक साझेदारियां अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह कदम भारत की बढ़ती स्टेनलेस स्टील की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगा।

दिल्ली की ईवी नीति: दोपहिया बाजार के लिए बड़ी चुनौती, क्रिसिल का आकलन

- अप्रैल 2028 से पारंपरिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार की हालिया घोषित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का मसौदा, जिसमें अप्रैल 2028 से पारंपरिक इंजन वाले दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है, दोपहिया वाहन बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह आकलन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी महज 7.3 प्रतिशत रही है, जो इस बड़े बदलाव को जटिल बना रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक अ धिकारी ने बताया कि अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनिवार्यता उद्योग को इलेक्ट्रिक उत्पादों, उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क में निवेश तेज करने का स्पष्ट संकेत देती है। हालांकि, निकट भविष्य में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले मॉडल भी बाजार में प्रासंगिक बने रहेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में 5.7 लाख दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें ईवी की हिस्सेदारी बेहद कम थी। नीति के तहत पहले वर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है, जिसे अगले दो साल में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। जैसे-जैसे वित्तीय सहायता घटेगी, इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत और स्वामित्व का कुल खर्च उपभोक्ताओं के निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निजी यात्री कारों के मामले में बदलाव अपेक्षाकृत धीमा रहने की संभावना है। नीति के मसौदे में निजी कारों के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का अनिवार्य पंजीकरण नहीं किया गया है, बल्कि 30 लाख रुपये तक की शोरूम कीमत वाले ईवी पर पथकर और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने का प्रयास है। क्रिसिल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में पंजीकृत लगभग दो लाख चारपहिया वाहनों में से 39 प्रतिशत (लगभग 77,000) इलेक्ट्रिक वाहन थे।

अमेरिकी आयात शुल्क प्रस्ताव पर भारत सख्त, जबरन श्रम के आरोपों को बताया निराधार

वाणिज्य मंत्रालय ने एकतरफा कार्रवाई की बजाय बातचीत पर जोर दिया

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत के अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अमेरिका ने कुछ देशों पर बंधुआ या जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक न लगाने का आरोप लगाया है, जिस पर भारत ने अपनी आपत्ति जताई। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद को एकतरफा कार्रवाई के बजाय आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जनसुनवाई में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका से धारा 301 के तहत की गई अपनी जांच और अतिरिक्त टैक्स लगाने के फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। भारत ने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जबरन श्रम को खत्म करना भारत का एक संवैधानिक कर्तव्य है और देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन करता है। भारत ने यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए। संयुक्त सचिव मिश्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापार अधिनियम की धारा 301(डी) के तहत आवश्यक कानूनी मानकों को पूरा नहीं करती। केवल कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं के केस स्टडीज और सामान्य व्यापारिक आंकड़ों के आधार पर यह मान लेना कि भारत में जबरन श्रम से जुड़ी चीजों के आयात पर प्रतिबंध नहीं है, पूरी तरह गलत है। रिपोर्ट में कुल 46 अर्थव्यवस्थाओं को बिना किसी पुख्ता सबूत के एक ही श्रेणी में डाल दिया गया है और ऐसा कोई जमीनी जुड़ाव या पक्का सबूत नहीं दिखाया गया है कि भारत की नीतियों से अमेरिकी उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इस सुनवाई में भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव श्रेयंस गुप्ता ने एपेडा की तरफ से भारतीय चावल को इस अतिरिक्त टैक्स से बाहर रखने की मांग की। अमेरिकी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि भारत में कथित तौर पर जबरन आने वाले चावल के आयात से अमेरिकी बाजार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में चावल निर्यात के लिए कड़े नियम और पंजीकृत मिलें हैं, और इस आधार पर अमेरिकी जांच को तुरंत रद्द करने या भारतीय चावल को इससे पूरी तरह बाहर रखने की मांग की गई है।

बदल रहा एफएमसीजी सेक्टर का वर्कफोर्स- कहीं छंटनी, कहीं विस्तार

एचयूएल-डाबर ने घटाए स्थायी कर्मचारी, नेस्ले-मैरिको-टीसीपीएल ने किया विस्तार

नई दिल्ली ।

बीते वित्त वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या और वेतन वृद्धि को लेकर मिला-जुला रुख रहा। वार्षिक रिपोर्टों से पता चला है कि जहां कुछ कंपनियों ने अपने कार्यबल में कटौती की, वहीं कुछ ने विस्तार किया, साथ ही कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि भी कंपनी-दर-कंपनी उल्लेखनीय रूप से भिन्न रही।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की। एचयूएल ने 700 से अधिक कर्मचारी घटाकर इसे 5,898 कर दिया, जबकि डाबर के स्थायी कर्मचारी 5,343 से घटकर 4,770 रह गए। वेतन वृद्धि की बात करें तो, एचयूएल में औसतन 6.08 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि हुई, वहीं डाबर ने 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके विपरीत, नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। टीसीपीएल ने कर्मचारियों की संख्या 4,079 से बढ़ाकर 4,558 की और 12.1 प्रतिशत की सर्वाधिक वेतन वृद्धि दी। मैरिको ने भी स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारी मामूली बढ़े और वेतन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती का मुख्य कारण विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में बढ़ते स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग है, जिससे कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक दक्षता से कार्य कर पा रही हैं।

फेडुन फार्मा ने दिए निवेशकों को 2:1 बोनस शेयर और बंपर नतीजे

- रिकॉर्ड डेट 16 जुलाई तय, कंपनी का तिमाही मुनाफा 56 फीसदी उछला

मुंबई। दवा बनाने वाली प्रतिष्ठित कंपनी फेडुन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी के बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद लिया गया है, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बीते 25 मई को हुई बैठक में इस बोनस शेयर इश्यू की सिफारिश की थी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स डेट 16 जुलाई तय की गई है। इस घोषणा के तहत, रिकॉर्ड डेट तक जिस भी निवेशक के पास कंपनी का एक पुराना इक्विटी शेयर होगा, उसे 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले दो नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे।

यह सुविधा शेयरधारकों के साथ-साथ वारंट होल्डर्स पर भी लागू होगी, बशर्ते उन्हें शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी मिल जाए। बोनस शेयर के ऐलान से पहले, कंपनी ने बीती तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, कुल आमदनी 27 फीसदी बढ़कर 213 करोड़ रुपये रही। इस सफलता के बाद, कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर के अलावा 0.70 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) की भी घोषणा की है, जिससे निवेशकों की खुशी दोगुनी हो गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com